प्रेसनोट

पिथौरागढ़–20.09.13(सूवि),

सीमा सड़क संगठन द्वारा ऐंचोली से रई तक किये जा रहे सड़क चौड़ीकरण एवं डामरीकरण के समय सड़क पर किये गये अतिक्रमण को संबंधित व्यक्ति इसे अंतिम सूचना समझकर प्रत्येक दशा में 27 सितम्बर तक स्वयं हटा लें अन्यथा प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाये जाने पर किसी भी तरह की टूटफूट, क्षति आदि का उत्तरदायित्व व जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति की होगी साथ ही प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाये जाने पर उस पर आ रही लागत को संबंधित व्यक्ति से वसूला जायेगा। उक्त बात आज उप जिलाधिकारी सदर नरेश दुर्गापाल ने विभिन्न विभागीय अधिकारियों एवं ग्रेफ के साथ बैठक में कही।

उप जिलाधिकारी ने उक्त सड़क पर हुए अतिक्रमण को लोगों से 27 सितम्बर तक स्वयं हटाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि प्रशासन द्वारा 27 सितम्बर को बाद सड़क पर अतिक्रमण पाये जाने पर स्वयं हटाने पर संबंधित व्यक्ति से उसकी वसूली भी की जायेगी। उन्होंने लोगों से सड़क पर अतिक्रमण न करने और सड़क के चौड़ीकरण एवं डामरीकरण के दौरान सहयोग करने की अपील भी की है।

पिथौरागढ़–20.09.13(सूवि),

ग्रेफ तवाघाट से आगे यातायात बहाली हेतु तेजी से प्रयास करें और कार्यो की फोटोग्राफी के साथ जरूरत पड़ने पर स्थानीय प्रशासन का सहयोग लें साथ ही किये जा रहे कार्यो को पूर्ण करने के बाद ही आगे के कार्यो हेतु कदम उठायें तथा भूमि स्थानान्तरण की पत्रावलिया सप्ताहांत तक प्रस्तुत करें। उक्त बात जिला कार्यालय में ग्रेफ, प्रशासन के अधिकारियों की बैठक लेते हुए जिलाधिकारी डा.नीरज खैरवाल ने कही। उन्होंने ग्रेफ के कमान अधिकारियों से कहा कि पैदल आवागमन को जोड़ने के बाद अब उच्च हिमालयी क्षेत्रों में घोड़े–खच्चरों हेतु रास्तों का चौड़ीकरण करें।

जिलाधिकारी ने कहा कि कम समय व सीमित संसाधनों में अधिक से अधिक कार्यो हेतु ग्रेफ प्रयास करें तथा कार्यो में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें, इसके लिए कार्यो की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी भी करायें। जिलाधिकारी ने ग्रेफ को वन भूमि हस्तान्तरण, सिविल, सरकारी, प्राईवेट भूमि विवादों को तेजी से सुलझाने और प्रशासन स्तर पर होने वाली कार्यवाही हेतु पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश कमान अधिकारी को दिये। जिलाधिकारी ने भूमि स्थानान्तरण संबंधी पत्रावली, संसाधन एवं समस्याओं की सूची भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने ग्रेफ को चौड़ीकरण और डामरीकरण की जाने वाली सड़कों हेतु प्रोपर प्लानिंग करने तथा एक स्थान पर कार्य पूर्ण कर आगे बढ़ने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लोगों को दी जाने वाली सुविधाओं के मध्यनजर कार्यो में तेजी लायें। उन्होंने कहा कि माइग्रेशन के समय लोगों को आवागमन की सुविधा सुलभ हो इसके लिए तेजी आवश्यक है। उन्होंने ग्रेफ को सोबला तक कार्यो में गति लाने तथा वहां से आगे सीपीडब्ल्यूडी को कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने सड़क सर्वे हेतु ग्रेफ, वन विभाग व राजस्व विभाग को तेजी के साथ संयुक्त निरीक्षण करने तथा किसी भी तरह की परेशानी, कठिनाई आने पर स्थानीय प्रशासन की सहायता लेने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सड़क पर आवागमन बहाल करने हेतु सभी संबंधित विभाग ग्रेफ को पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे।

जिलाधिकारी ने कहा कि लोग ठाड़ीधार से आवागमन कर रहे हैं जिससे उन्हें लगभग 9 किमी. का अधिक सफर तय करना पड़ रहा है, इसलिए तवाघाट से आगे संसाधनों व मैनपावर में वृद्धि कर सड़क आवागमन तेजी से दुरस्त करें। उन्होंने कहा कि कमान अधिकारी ने अवगत कराया कि तवाघाट से आगे सड़क की बहाली हेतु तेजी से प्रयास किये जा रहे है तथा उच्चाधिकारियों से और अधिक संसाधनों की मांग की गई है। उन्होंने बताया कि जौलजीबी–मुनस्यारी मोटर मार्ग को मदकोट से मुनस्यारी तक चौड़ीकरण हेतु प्रस्ताव किया गया है साथ ही भदेली के पास स्लाइड जोन में रैलिंग हेतु प्रयासरत हैं।

जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को घाट से ऐंचोली तक ग्रेफ व वल विभाग के साथ संयुक्त निरीक्षण करने तथा सड़क चौड़ीकरण के दौरान आ रही कठिनाईयों को सुलझाने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने धारचूला सड़क पर कूड़ा निस्तारण के संबंध में नीचे से स्थाई बाउन्ड्रीबाल तथा उपर से नीचे की ओर कुछ मीटर तक वाहन जाने लायक रास्ते का निर्माण करने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश भी बैठक में दिये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा.आनन्द श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी नरेश दुर्गापाल, कमान अधिकारी विकास भोमिया, एम.एस.सोहेल सहित ग्रेफ के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

जिला सूचना अधिकारी
पिथौरागढ़।